प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14

विषय – अर्थशास्त्र (Economic)
कक्षा – बारहवीं
सेट–बी

समय– 3 घंटे | **पूर्णांक– 100**
Time- 3 Hours | **Maximum Mark – 100**

निर्देश–

i. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
ii. प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर उत्तर लिखिए।
iii. प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिनके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, सत्य/असत्य, सही जोड़ी बनाना, एक वाक्य में उत्तर तथा सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 1x5= 5x5 = 25 अंक
iv. प्रश्न क्रमांक 6 से 24 तक में आन्तरिक विकल्प दिये गये है।
v. प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखना है।
vi. प्रश्न क्रमांक 11 से 17 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 4 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 75 शब्दों में लिखना है।
vii. प्रश्न क्रमांक 18 से 22 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में लिखना है।
viii. प्रश्न क्रमांक 23 तथा 24 में प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखना है।

Instructions –

i. All question are compulsory.
ii. Please the instructions carefully before writing the answer.
iii. Q. No. 1 to 5 are objective type which contain fill up the Blank, True/False, match the column, one sentence answer and choose the correct answers. Each question is allotted 5 marks. 1x1 = 5x5 =25 Marks.
iv. Internal options are given in Q. No. 6 to 24.
v. Q. No. 6 to 10 carry 2 marks each and answer should be given in about 30 words.
vi. Q. No. 11 to 17 carry 4 marks each and answer should be given in about 75 words.
vii. Q. No. 18 to 22 carry 5 marks each and answer should be given in about 120 words.
viii. Q. No. 23 and 24 carry 6 marks each and answer should be given in about 150 words.

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए –

(अ) आर्थिक विश्लेषण में व्यष्टि एवं समष्टि शब्दों का प्रयोग सर्वप्रथम किया–

(i) एडम स्मिथ (ii) प्रो. बोल्डिंग

(iii) रागनर फ्रिश (iv) केन्स

(ब) सबसे कम मांग की लोच वाली वस्तु है–

(i) साइकिल (ii) मिठाई

(iii) फर्नीचर (iv) नमक

(स) वस्तु विभेद विशेषता –

(i) पूर्ण बाजार (ii) अपूर्ण बाजार

(iii) अल्पाधिकार (iv) एकाधिकार

(द) अल्पकालीन बाजार होता है–

(i) सब्जी (ii) रेडियो

(iii) सोना (iv) कपड़ा

(इ) भारत में राष्ट्रीय आय की गणना का कार्य करता है–

(i) राष्ट्रीय आय समिति (ii) राष्ट्रीय न्यादर्श निदेशालय

(iii) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (iv) वित्त मंत्रालय

Choose the correct alternative -

(a) In economical anyalsis micro and macro words are used first time by -

(i) Adam smith (ii) Prof. Boulding

(iii) Ranger Frisch (iv) Keynes

(b) The commodity having least elasticity -

(i) Cycle (ii) sweets

(iii) furniture (iv) salt

(c) Commodity discrimination is the characteristic of -

(i) Perfect competition (ii) Imperfect competition

(iii) Oligopoly (iv) Monopoly Market

(d) Short of period market is -

(i) Vegitable (ii) Radio

(iii) Gold (iv) Cloth

(e) The National Income is India is calculated by -

(i) National income committee (ii) Directorate of National sample

(iii) central statistical organization (iv) Finance ministery

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) कार तथा पेट्रोल................वस्तुएं है।

(ii) बढ़ती हुई प्रभावपूर्ण मांग ने रोजगार के स्तर को..................है।

(iii) भुगतान संतुलन सदैव .... होता है।

(iv) व्यापार संतुलन में .... मदों को शामिल किया जाता है।

(v) एक देश में कीमतों में अत्यधिक वृद्धि होने पर उसके .... कम हो जाते है।

Fill in the blanks.

(i) Car and Petrol are .... items.

(ii) Increasing Effective Demand .... the Level of Employment

(iii) Balance is of payment always …………….

(iv) In balance of trade..............is included.

(v) Excessive price rise in country decreases its...............

प्रश्न 3. सत्य / असत्य बताइये –

(i) निजी वित्त में संतुलित बजट श्रेष्ठ समझा जाता है।

(ii) भारतीय कर प्रणाली में प्रत्यक्ष करो की प्रधानता है।

(iii) आयकर अप्रत्यक्ष कर का उदाहरण है।

(iv) रोजगार के सिद्धांत का प्रतिपादन सर्वप्रथम मार्शल ने किया था।

(v) संसद में बजट वित्तमंत्री पेश करता है।

Give true or false.

(i) Balance budget is considered best in private finance.

(ii) In Indian tax system direct taxes is prominent.

(iii) Income tax is an example of indirect tax.

(iv) The Theory of Employment was first propounded by Marshal.

(v) In parliament budget is presented by finance minister.

प्रश्न 4. स्तंभ 'अ' के लिए स्तंभ 'ब' से चुनकर सही जोड़ियां बनाइऐं–

	खंड अ	**–**	**खंड ब**
(अ)	इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया	–	संकटकालीन मुद्रा
(ब)	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	–	1955
(स)	प्रादिष्ट मुद्रा	–	चाय एवं कॉफी
(द)	चेक	–	1921
(इ)	पूरक वस्तुएं	–	ऐच्छिक मुद्रा

Make the correct hair for column 'A' choosing from column 'B'.

	A	-	B
(a)	Imperial bank of India	-	Crisis money
(b)	State bank of India	-	1955
(c)	Fiat money	-	Coffee and Tea
(d)	Cheque	-	1921
(e)	Complementary Items	-	Optional money

प्रश्न 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. दो देशों की आर्थिक स्थिति की तुलना किस निर्देशांक से की जाती है?
2. निर्देशांक किस प्रकार की माप है?
3. प्रमाप विचलन का विचार किसने दिया?
4. बजट का एक उद्देश्य बताइये?
5. कीन्स के रोजगार सिद्धांत की आत्मा है?

Give Answer in one sentence -

1. Which index number is use for comparison of Economic condition of two countries?
2. What type of mesasure is Index Number?
3. Who has given the idea of standard Deviation?
4. Give one purpose of Budget.
5. What is the soul of Keynes' theory of employment?

प्रश्न 6. मांग के नियम की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Describe any two charateristics of Law of Demand

अथवा

Or

पूर्ति एवं स्टॉक में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Give the difference between Supply and Stock

प्रश्न 7. मार्शल के अनुसार राष्ट्रीय आय की परिभाषा लिखिए।

Write the definition of National Income according to Marshal

अथवा

Or

खुली अर्थव्यवस्था किसे कहते है?

What is known as an Open Economy?

प्रश्न 8. उपभोग प्रवृत्ति बढ़ाने के दो उपायों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Describe in brief any two ways to increase Propensity to Consume

अथवा

Or

अभावी मांग का अर्थ बताइये।

Describe the meaning of Deficiency Demand.

प्रश्न 9. प्रादिष्ट मुद्रा किसे कहते है?

What is Fiat Money?

अथवा

Or

अनुसूचित बैंक किसे कहते है?

What is called Scheduled Bank?

प्रश्न 10. ऋणात्मक सहसम्बन्ध को समझाइये।

Explain Negative Correlation.

अथवा

Or

प्रमाप विचलन को समझाइये।

Explain Standard Deviation.

प्रश्न 11. व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र में कोई चार अंतर लिखिये।

Write any four differences between micro and macro economics.

अथवा

Or

पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का अर्थ एवं उसकी तीन प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

Write the meaning of capitalistic economy along with any three characteristics.

प्रश्न 12. बाजार के विस्तार को प्रभावित करने वाले चार तत्व लिखिये।

Write down any four facts which effects the extent of market.

अथवा

Or

बाजार एवं सामान्य मूल्य में कोई चार अंतर लिखिये।

Distinguish between market and normal price on four points.

प्रश्न 13. एक अच्छे मुद्रा पदार्थ के गुणों का वर्णन कीजिये।

Elaborate merits of a good money material.

अथवा

Or

रिजर्व बैंक के कार्यों का वर्णन कीजिये।

Explain the function of the reserve bank of India.

प्रश्न 14. भुगतान संतुलन में असंतुलन के चार कारणों को संक्षिप्त में लिखिये।

Write down any four reasons of disequilibrium in balance of payment.

अथवा

Or

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभों को चार प्रमुख बिन्दुओं में स्पष्ट कीजिये।

Write any four profits of international trade.

प्रश्न 15. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में कोई चार अंतर लिखिये।

Write any four differences between direct and indirect taxes.

अथवा

Or

सार्वजनिक एवं निजी वित्त में कोई चार अंतर लिखिये।

Write down any four difference between public and private finance.

प्रश्न 16. निर्देशांक के निर्माण में कौन–कौन सावधानियां रखना आवश्यक है?

Which precaution should be taken while constructing Index Number?

अथवा

Or

माध्य विचलन की परिभाषा एवं इसके तीन गुण लिखिये।

Give the definition of mean deviation and write three merits of it.

प्रश्न 17. अपकिरण की परिभाषा एवं अपकिरण के तीन उद्देश्य लिखिये।

Write down the definition and three objectives of dispersion.

अथवा

Or

प्रमाप विचलन के दो गुण एवं दो दोष लिखिये।

Give any two merits and demirits of standard deviation.

प्रश्न 18. मांग को प्रभावित करने वालों तत्वों की पांच बिन्दुओं में व्याख्या कीजिये।

Explain any five factors affecting the demand.

अथवा

Or

लागत वक्र U आकर का क्यों होता है। कारण लिखिये।

Why the cot curve is U shaped? Give reasons.

प्रश्न 19. राष्ट्रीय आय का महत्व पांच बिन्दुओं में लिखिये।

Write down any five points on importance of national income.

अथवा

Or

भारत में राष्ट्रीय आय में धीमी गति से वृद्धि के पांच कारण लिखिये।

Write down any five reasons responsible for the slow growth of the National Income India.

प्रश्न 20. गुणक की परिभाषा लिखिये एवं गुणक के रिसाव कौन से है।

Write the definition of multiplier and its leakage.

अथवा

Or

पूर्ण रोजगार की परिभाषा एवं इसका महत्व चार बिन्दुओं में लिखिये।

Write the definition of full employment and its importance in four points.

प्रश्न 21. बजट को परिभाषित करते हुए इसकी चार विशेषता लिखिये।

Write the definition of budget and its characteristics.

अथवा

Or

बजट के पांच प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

Write down the five objectives of budget.

प्रश्न 22. निर्देशांक आर्थिक बैरोमीटर के समान होते है। समझाइये।

"Index numbers are just like an Economics is like barometer" explain.

अथवा

Or

निम्न आंकड़ों द्वारा फिशर के आदर्श सूत्र की सहयता से निर्देशांक ज्ञात कीजिये।

वस्तुएं	आधार वर्ष 2005		चालू वर्ष 2010	
	कीमत (रु.)	मात्रा (कि.ग्रा.)	कीमत (रु.)	मात्रा (कि.ग्रा.)
A	10	3	20	4
B	3	4	15	3

Find Index Number using filsher's ideal index number from its following data -

Objects	Year 2005		Year 2010	
	Rate	Quantity (K.G)	Rate	Quantity (K.G)
A	10	3	20	4
B	3	4	15	3

प्रश्न 23. मांग के नियम की रेखाचित्र द्वारा व्याख्या कीजिये।

Explain the law of demand along with its diagram.

अथवा

Or

मांग की लोच को प्रभावित करने वाले छः तत्वों की व्याख्या कीजिये।

Describe any six factors that affect the elasticity of demand.

प्रश्न 24. निम्न आंकड़ों की सहायता से प्रमाप विचलन ज्ञात कीजिये

आयु (वर्षों में)	10	12	15	16
जानवरों की संख्या	3	10	2	5

Calculate standard deviation from the following data -

Age (in years) -	10	12	15	16
Number of animals -	3	1	2	5

अथवा

Or

निम्न समंकों से श्रेणी अंतर रीति द्वारा सह संबंध गुणांक ज्ञात कीजिये–

X श्रेणी –	53	98	95	81	75	61	59	55
Y श्रेणी –	47	25	32	37	30	40	39	45

Find out coefficient of correlation of the following data by Rank difference method.

X Series	23	98	95	81	75	61	59	55
Y Series	47	25	32	37	30	40	39	45

– – – – – –

<u>आदर्श उत्तर</u>

विषय – अर्थशास्त्र (Economic)
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए –

(अ) रागनर फ्रिश

(ब) नमक

(स) अपूर्ण बाजार

(द) सब्जी

(इ) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

(i) पूरक

(ii) प्राथमिक

(iii) संतुलित

(iv) दृश्य

(v) निर्यात

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सत्य/असत्य बताइए –

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) असत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही जोडियां –

	खंड अ	**–**	**खंड ब**
(अ)	इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया	–	1921
(ब)	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	–	1955
(स)	प्रादिष्ट मुद्रा	–	संकटकालीन मुद्रा
(द)	चेक	–	ऐच्छिक मुद्रा
(इ)	पूरक वस्तुएं	–	चाय काफी

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

(1) आय निर्देशांक

(2) सापेक्षिक माप

(3) कार्लपियर्सन

(4) बजट का एक उद्देश्य आर्थिक नियंत्रण है।

(5) किन्स के रोजगार सिद्धांत की आत्मा प्रभावपूर्ण मांग है।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. मांग के नियम के अनुसार –

1. यदि अन्य बाते समान रहे तो वस्तु की कीमत में कमी हाने पर उस वस्तु की मांग बढ़ जाती है।
2. इसके विपरीत वस्तुत की कीमत में वृद्धि होने पर उस वस्तु की मांग का नियम कीमत तथा मांग के बीच विपरीत सम्बन्ध बताता है।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पूर्ति एवं स्टॉक में अन्तर –

स.क्र.	**पूर्ति**	**स्टॉक**
1.	पूर्ति के लिये एक निश्चित कीमत एवं निचित समय बताना आवश्यक होता है।	स्टॉक के लिये कीमत बताना आवश्यक नहीं है।
2.	पूर्ति एक संकुचित धारणा है।	स्टॉक एक विस्तृत शब्द है।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. प्रो. मार्शल के अनुसार– ''किसी श्रम व पूंजी उस देश के प्राकृतिक साधनों के सहायोग से प्रतिवर्ष जो भौतिक एवं अभौतिक वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन करते है। उनका योग उस देश की वास्तविक विशुद्ध वार्षिक या राष्ट्रीय लाभांश है।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जब किसी भी देश का अन्य देशों से आर्थिक सम्बन्ध स्थापित हो जाता है तो उसे खुली अर्थव्यवस्था कहा जाता है। जिसमें एक देश से दूसरे देशों से वस्तुएं एवं सेवाओं का आयात व निर्यात किया जाता है तथा राष्ट्रीय आय व घरेलू आय में अन्तर होता है।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. उपभोग प्रवृत्ति बढ़ाने के उपाय –

1. मजदूरी निर्धारण – सरकार श्रमिकों एवं गरीबों के लिये ऊंची मजदूरी नीति अपनाती है तो उपभोग प्रवृत्ति में अवश्यक वृद्धि होती है।
2. गरीबों के पक्ष में आय का हस्तांतरण – गरीबों की सीमांत उपभोग प्रवृत्ति अधिक ऊंची होती है, अतः सरकार यदि अपनी राजकोषीय नीति से आय को गरीबों के पक्ष में हस्तांतरण कर देती है तो उपभोग प्रवृत्ति में अवश्यक वृद्धि होती है।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अभावी मांग से तात्पर्य, उस स्थिति से है जब पूर्ण रोजगार स्तर पर समग्र मांग, समग्र पूर्ति से कम होती है। अभावी मांग की स्थिति में अनैच्छिक बेरोजगारी पाई जाती है ऐसी स्थिति में अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार स्तर पर पहुंचने से पूर्व ही संतुलन अवस्था को प्राप्त कर लेती है।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. प्रादिष्ट पत्र मुद्रा प्रायः संकट कालीन स्थिति में ही निर्गमित की जाती है। इसलिए इसे संकटकालीन मुद्रा भी कहते है। प्रादिष्ट मुद्रा के पीछे किसी भी प्रकार का सुरक्षित कोष नहीं रखा जाता है और न हीं सरकार पत्र मुद्रा को धातु में परिवर्तित करने की गारंटी ही देती है।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जिन बैंकों को रिजर्व बैंक ने अपनी दूसरी सारिणी में सम्मिलित कर रखा है वे अनुसूचित बैंक कहलाते है। इन बैंकों की अधिवृत्ति पूंजी एवं रिजर्व कोष कम से कम पांच लाख रूपये के बराबर होना चाहिए।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. ऋणात्मक सह संबंध यदि एक चर में वृद्धि या कमी होने पर दूसरे चर में कमी या वृद्धि हो तो उसे ऋणात्मक सहसंबंध कहते है। अर्थात दो चरों में परिवर्तन विपरीत दिशा में हो तो ऋणात्मक सह संबंध कहा जाता है।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रमाप विचलन अपकिरण को मापने की सबसे अधिक लोकप्रिय एवं वैज्ञानिक विधि है। प्रमाप विचलन का सर्वप्रथम प्रयोग करने का श्रेय प्रसिद्ध प्राणीशास्त्र विशेषज्ञ एवं साख्यिकीय विधान कार्लपियर्सन को दिया जाता है। अतः किसी श्रेणी समान्तर माध्य से निकाले गये विभिन्न चार मूल्यों के विचलनों के वर्गों के माध्य का वर्गमूल ही उस श्रेणी का प्रमाप विचलन कहलाता है।

2 अंक

उपर्युक्त वर्णन किये जाने पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में चार अंतर –

	व्यष्टि अर्थशास्त्र	**समष्टि अर्थशास्त्र**
1.	व्यष्टि अर्थशास्त्र में छोटी– छोटी वैयक्तिक इकाइयों का अध्ययन किया जाता है, जैसे–एक व्यक्ति, एक परिवार, एक फर्म आदि।	समष्टि अर्थशास्त्र में इकाइयों के योग का अध्ययन किया जाता है जैसे– कुल राष्ट्रीय आय, कुल उत्पादन आदि।

2.	व्यष्टि अर्थशास्त्र समग्र के एक अंश का अध्ययन करता है।	व्यापक अर्थशास्त्र समग्र का अध्ययन करता है।
3.	व्यष्टि अर्थशास्त्र का मुख्य विषय कीमत सिद्धांत का विश्लेषण करना हो।	समष्टि अर्थशास्त्र का मुख्य विषय राष्ट्रीय आय व रोजगार का विश्लेषण है।
4.	यह व्यक्तिगत संस्थाओं की नीतियों के निर्माण में सहायक है।	यह राष्ट्रीय या सम्पूर्ण समाज की नीतियों के निर्माण में सहायक है।

प्रत्येक अंतर पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पूंजीवाद आर्थिक संगठन की वह प्रणाली है जिसमें उत्पत्ति के साधनों पर निजी स्वामित्व होता है।

पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की विशेषताएं निम्न लिखित है –

(1) निजी सम्पत्ति का अधिकार – प्रत्येक व्यक्ति को सम्पत्ति प्राप्त करने, रखने, प्रयोग करने तथा उसके क्रय विक्रय का अधिकार है।

(2) आर्थिक स्वतंत्रता – व्यक्ति अपनी इच्छानुसार व्यवसाय चुन सकता है।

(3) लाभ उद्देश्य प्रमुख – व्यक्ति केवल लाभ वाले कार्यों को ही सम्पादित करता है।

(4) स्वतंत्र प्रतियोगिता – क्रेता–विक्रेता, उत्पादक व श्रम के मध्य स्वतंत्र प्रतियोगिता होती है।

अर्थ पर 2 अंक, प्रत्येक सही विशेषता पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. बाजार के विस्तार को प्रभावित करने वाले तत्व –

(1) व्यापक मांग–वस्तु की मांग अधिक होने पर बाजार व्यापक होता है।

(2) वहनीयता– वस्तुओं का भार कम एवं मूल्य अधिक होने पर बाजार विस्तृत होता है।

(3) टिकाऊपन – टिकाऊ वस्तुओं का बाजार विस्तृत होता है।

(4) पूर्ति की मात्रा– वस्तु की पूर्ति अधिक होने पर बाजार विस्तृत होता है।

(5) यातायात व संचार के साधन– ये साधन विकसित होने पर बाजार विस्तृत होता है।

(6) बैंकिंग व्यवस्था– सुदृढ़ व विकसित बैंकिंग पर बाजार विस्तृत होता है।

(7) सरकारी नीति– सरकारी उदार नीति बाजार को विस्तृत रूप देती है।

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बाजार मूल्य	सामान्य मूल्य
1. बाजार मूल्य अति अल्पकालीन मूल्य होता है।	सामान्य मूल्य दीर्घकालीन मूल्य होता है।
2. मांग व पूर्ति के अस्थाई साम्य द्वारा निर्धारित होता है।	मांग व पूर्ति के स्थायी साम्य द्वारा निर्धारित होता है।
3. बाजार मूल्य परिवर्तनशील होता है।	यह स्थायी होता है।
4. मूल्य निर्धारण में मांग तत्व अधिक सक्रिय होता है।	पूर्ति पक्ष अधिक प्रभावशाली होता है।

प्रत्येक अंतर पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. एक अच्छे मुद्रा पदार्थ के गुण–

1. सुपरिचयता – मुद्रा पदार्थ को जन साधारण आसानी से पहचान सके।
2. विभाज्यता – मुद्रा विभाजनीय होना चाहिये जैसे–भारत में एक रूपये का नोट, 50 पैसे आदि।
3. सामान्य स्वीकृति – मुद्रा पदार्थ को सभी लोग सहर्ष स्वीकार कर पाये।

4. वहनीयता– मुद्रा पदार्थ ऐसा हो, जिसे आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान लाया ले जाया जा सके।
5. टिकाऊपन – एक बार जिस मुद्रा का निर्गमन किया जाये, उसका प्रयोग वर्षों तक होता रहना चाहिए।
6. मूल्य स्थायित्व – मुद्रा के मूल्य में उतार–चढ़ाव अधिक नहीं होना चाहिये।
7. अनुरूपता – मुद्रा पदार्थ ऐसा होना चाहिये जिसकी सभी इकाइयां समरूप हो।
8. ढलन योग्यता – मुद्रा पदार्थ ऐसा हो जिसे एक निश्चित आकार व वजन में ढाला जा सके।

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रिजर्व बैंक के कार्य –

1. नोट निर्गमन का अधिकार – रिजर्व बैंक 2 रु. के नोट से 1000 रु. तक के नोट निर्गमित करती है।
2. सरकार का बैंकर – रिजर्व बैंक सरकार के बैंकिंग संबंधी सभी कार्यों को संपादित करती है।
3. बैंकों का बैंकर– रिजर्व बैंक अन्य बैंकों के लिए अंतिम ऋणदाता का कार्य करती है।
4. विदेशी मुद्रा कोष का संरक्षक – रिजर्व बैंक विदेशी मुद्राओं का उन दरों पर क्रय विक्रय करता है, जो समय–समय पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है।
5. साख का नियंत्रण – बैंक दर नीति, खुले बाजार की क्रियाएं नकद कोषानुपात आदि नीतियों द्वारा रिजर्व बैंक साख नियंत्रण करता है।
6. समाशोधन गृह – बैंकों का बैंक व अंतिम ऋणदाता होने के कारण बैंक समाशोधन गृह का कार्य करता है।

7. अन्य कार्य – रिजर्व बैंक भारतीय बैंकिंग विकास एवं प्रवर्तन संबंधी अनेक कार्य करता है।

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. भुगतान संतुलन के असंतुलन का मुख्य कारण निर्यात की अपेक्षा आयात का अधिक होना है इसके अन्य कारण निम्न लिखित है–

(1) आर्थिक विकास कार्यक्रम अधिक होने के कारण आयात अधिक होते है और भुगतान संतुलन प्रतिकूल हो जाता है।

(2) चक्रीय उतार चढ़ाव के कारण मंदी एवं स्फीति की स्थिति जन्म लेती है। जिससे भुगतान संतुलन में चक्रीय असंतुलन हो जाता है।

(3) आय एवं कीमत प्रभाव– आय व कीमत बढ़ने से आयातों की मांग बढ़ जाती है।

(4) अत्यधिक जनसंख्या के कारण वस्तुओं की मांग अधिक व निर्यात कम हो जाता है फलस्वरूप भुगतान संतुलन प्रतिकूल हो जाता है।

(5) प्रदर्शन प्रभाव

(6) अंतर्राष्ट्रीय ऋण

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख लाभ निम्नलिखित है–

1. उत्पादन तकनीक में सुधार– वैश्विक प्रतियोगित में क्रय के भय के कारण उत्पादन तकनीकी में सुधार आवश्यक है।
2. एकाधिकार पर प्रतिबंध– अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के कारण विभिन्न देशों में प्रतियोगिता होती है, जिससे एकाधिकारी प्रवृत्ति पर रोक लगती है।
3. श्रम विभाजन एवं विशिष्टीकरण– भौगोलिक श्रम विभाजन के समस्त लाभ प्राप्त होते है।

4. प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण दोहन – प्रत्येक देश उन वस्तुओं का उत्पादन करता है, जिनकी लागत कम है।
5. अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में वृद्धि–विश्व शांति व एकता की भावना प्रबल होती है।

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15.

प्रत्यक्ष कर	अप्रत्यक्ष कर
1. प्रत्यक्ष कर करदेय योग्यता के अनुकूल होते है।	अप्रत्यक्ष कर न्याय संगत नहीं होते है।
2. प्रत्यक्षकर मितव्ययी होते है।	अप्रत्यक्ष कर अमितव्ययी होते है।
3. प्रत्यक्ष कर लोचदार होते है।	अप्रत्यक्ष कर बेलोचदार होते है।
4. प्रत्यक्ष कर आय एवं सम्पत्ति पर लगाये जाते है।	अप्रत्यक्ष कर वस्तुओं व सेवाओं के क्रय विक्रय पर लगाये जाते है।

प्रत्येक अंतर पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सार्वजनिक वित्त	निजी वित्त
1. सरकार अधिकतम सामाजिक लाभ के उद्देश्य से व्यय करती है।	व्यक्ति का उद्देश्य अपनी आय को व्यय करके अधिकतम लाभ प्राप्त करता है।
2. सरकार को ऋण सरलता से प्राप्त हो जाता है।	निजी व्यक्ति को सरलता से ऋण उपलब्ध नहीं हो पाता है।
3. सार्वजनिक बजट का प्रकाशन किया जाता है।	निजी बजट प्रायः गुप्त रखे जाते है।
4. सार्वजनिक बजट वार्षिक होते है।	व्यक्तिगत बजट मासिक होते है।

प्रत्येक अंतर पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. निर्देशांक के निर्माण में सावधानियां –

1. निर्देशांक का उद्देश्य – निर्देशांक में भारों के निर्धारण, रीति के निर्धारण हेतु उनका उद्देश्य आवश्यक है।
2. मदों का चुनाव – ऐसी वस्तुओं का चुनाव करना है, जो अन्य वस्तुओं का प्रतिनिधित्व कर सके।
3. आधार वर्ष का चुनाव – आधार वर्ष सामान्य होना चाहिये, ताकि तुलना सही रूप में की जा सके।
4. प्रतिनिधि मूल्यों का चुनाव– उद्देश्य के अनुसार थोक एवं फुटकर मूल्यों का चुनाव करना चाहिये।
5. माध्य का चुनाव
6. भार निर्धारण का ढंग

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

माध्य विचलन एक वितरण के पदों की माध्य अथवा मध्यका से, विचलनों के चिन्हों की उपेक्षा करके ज्ञात विचलनों की औसत मात्रा है। विचलनों के अंक गणितीय माध्य लिये जाने के कारण इस माप को प्रायः माध्य विचलन कहा जाता है।

– क्लार्क तथा शकाडे

माध्य विचलन के गुण निम्नलिखित है–

1. गणना करना व समझना आसान होता है
2. चरम मूल्यों से कम प्रभावित होते है।
3. इसमें किसी भी माध्य से गणना संभव है।
4. व्यापक प्रयोग–आर्थिक, सामाजिक क्षेत्रों में उपयोगी है।

परिभाषा पर 1 अंक, बिन्दु पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. बाउले के अनुसार–'अपकिरण पदो ंके विचलन या अंतर का माप है'

अपकिरण के उद्देश्य –

1. माध्य की विश्वसनीयता का अनुमान लगाया जा सकता है।
2. तुलनात्मक अध्ययन संभव–दो या अधिक श्रेणियों के मध्य पानी जााने वाली असमानताओं की तुलना करके अध्ययन किया जा सकता है।
3. अन्य सांख्यिकी मापों के लिये आधार का कार्य करती है।

परिभाषा पर 1 अंक, बिन्दु पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रमाप विचलन के गुण –

1. प्रमाप विचलन शुद्ध गणितीय विधि पर आधारित है।
2. प्रमाप विचलन पर निदर्शन के परिवर्तनों का न्यूनतम प्रभाव पड़ता है।

प्रमाप विचलन के दोष –

1. इसकी गणना व उसे समझना कठिन है।
2. इसमें चरम मूल्यों पर अत्यधिक बल दिया जाता है, क्योंकि इसमें मूल्यों के वर्ग किये जाते है।

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. मांग को प्रभावित करने वाले तत्व–

1. वस्तु की कीमत–कीमत अधिक होने पर वस्तु की मांग कम हो जाती है।
2. उपभोक्ताओं की आय– उपभोक्ता की आय अधिक होने से मांग अधिक हो जाती है।
3. धन का वितरण– धन के असमान वितरण पर विलासिता वस्तुओं की मांग बढ़ेगी व समान वितरण पर आरामदायक वस्तुओं की मांग बढ़ेगी।

4. उपभोक्ताओं की रूचि– जिस वस्तु के प्रति उपभोक्ता की रूचि बढ़ जाती है तो उस वस्तु की मांग भी बढ़ जाती है।
5. जनसंख्या– जनसंख्या में वृद्धि होने पर वस्तु की मांग बढ़ जायेगी।

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

लागत वक्र U आकार होने का मुख्य कारण फर्म से प्राप्त होने वाली आंतरिक बचते है, जो कि निम्न प्रकार से है–

1. श्रम संबंधी बचतें – श्रम विभाजन एवं विशिष्टीकरण के कारण वस्तुओं की लागत कम हो जाती है।
2. तकनीकी बचते – तकनीकी सुधारों के कारण उत्पादन लागत कम हो जाती है।
3. विपणन की बचते– उत्पादन बढ़ने पर विपणन लागत नहीं बढ़ने के कारण उत्पादन लागत कम हो जाती है।
4. प्रबंधकीय बचते– उत्पादन बढ़ने पर प्रबंध पर व्यय समान होता है अतः उत्पादन लागत कम हो जाती है।

बिन्दुओं विस्तार से लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. **राष्ट्रीय आय का महत्व –**

1. जीवन स्तर का सूचक– यदि प्रति व्यक्ति आय अधिक होने पर जीवन स्तर ऊंचा रहता है।
2. आर्थिक विकास की मापक – राष्ट्रीय आय अधिक होने पर उस देश का आर्थिक विकास अधिक होगा।
3. तुलनात्मक अध्ययन में सहायक– विभिन्न देशों की आर्थिक स्थिति की तुलना राष्ट्रीय आय के माध्यम से की जाती है।

4. आर्थिक कल्याण का मापक – राष्ट्रीय आय अधिक होने पर आर्थिक कल्याण भी बढ़ जाता है।
5. आर्थिक नीति के निर्माण में सहायक होती है।
6. आर्थिक नियोजन में सहायक– नियोजन हेतु उत्पादन, बचत, उपभोग संबंधी आकड़े राष्ट्रीय आय के विश्लेषण से प्राप्त होते है।

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत में राष्ट्रीय आय की धीमी वृद्धि के कारण –

1. कृषि पर निर्भरता – भारत में कृषि पिछड़ी अवस्था में होने के कारण राष्ट्रीय आय कम है।
2. जनसंख्या में वृद्धि – उत्पादन का अधिकांश भाग बढ़ती जनसंख्या के भरण–पोषण पर खर्च होने के कारण राष्ट्रीय आय कम है।
3. रूढ़िवादिता एवं भाग्यवादिता के कारण उत्पादन की नई तकनीक का प्रयोग नहीं किया जाता है, अतः राष्ट्रीय आय कम है।
4. तकनीकी पिछड़ापन – उत्पादन परम्परागत विधियों से होने कारण राष्ट्रीय आय कम है।
5. पूंजी की कमी – पूंजी कम होने से नई तकनीकी का प्रयोग नहीं होता व लोगों की बचत प्रवृत्ति भी कम होती है।
6. अकुशल प्रशासन
7. अपर्याप्त औद्योगिक विकास

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. गुणक विनियोग की प्रारंभिक वृद्धि तथ आय की कुल अंतिम वृद्धि के बीच आनुपातिक संबंध को बताता है केन्स ने गुणक को परिभाषित करते हुए लिखा है 'यह हमको बताता है कि जब कुल विनियोग की मात्रा में वृद्धि होती है तब

इस वृद्धि के परिणम स्वरूप कुल आय में वृद्धि होती है, जो कुल विनियोग में हुई वृद्धि की K गुना होती है।'

गुणक रिसाव के कारण –

1. आय से पुराने ऋणों का भुगतान कर दिया जाता है।
2. आयकर का हिस्सा निष्क्रिय बैंक खाते में जमा किया जाता है।
3. अंशों व प्रतिभूतियों को क्रय पर आय का व्यय किया जाता है।
4. आयातित वस्तुओं के उपभोग पर व्यय किया जाता है।
5. मुद्रास्फीति के कारण व्यक्तियों की वास्तविक आय कम हो जाती है ।

परिभाषा पर 1 अंक, बिन्दु पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पूर्ण रोजगार की परिभाषा–प्रो. केन्स के अनुसर – 'पूर्ण रोजगार एक ऐसी अवस्था होती है जहां प्रभावपूर्ण मांग वृद्धि उत्पादन तथा रोजगार में वृद्धि के बजाय कीमत में वृद्धि करती है।'

पूर्ण रोजगार के महत्व–

1. सामाजिक वातावरण – रोजगार उपलब्ध होने पर समाज में व्याप्त वर्ग संघर्ष, भ्रष्टाचार, चोरी, हिंसा, अविश्वास आदि में कमी आ जाती है। अतः स्थिरता व शांति का वातावरण निर्मित होता है।
2. न्यूनतम आवश्यकता ओं की पूर्ति रोजगार प्राप्त होने पर होती है।
3. आर्थिक विकास – पूर्ण रोजगार के माध्यम से देश के संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करके आर्थिक विकास करना संभव हो जाता है।
4. बेरोजगारी की समाप्ति – बेरोजगारी कई मायनों में बेकार होती है। पूर्ण रोजगार से यह स्वतः समाप्त हो जाती है।

परिभाषा पर 1 अंक, बिन्दु पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. बजट की परिभाषा– रैने स्टोर्न के अनुसार – 'बजट एक ऐसा प्रपत्र है जिसमें सार्वजनिक आय एवं व्यय की एक प्रारंभिक प्रस्तावति योजना होती है।'

बजट की विशेषता –

1. बजट का आधार रोकड़ राशि होता है।
2. सकल राशि – बजट में आय–व्यय की संपूर्ण राशि का विवरण होता है।
3. समस्त क्रियाओं का एक बजट होता है जिससे देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति का पता लगता है।
4. व्यय समाप्ति नियम – आवंटित राशि का उपयोग उसी वित्तीय वर्ष में होना चाहिये।
5. अनुमान वास्तविकता के निकट होना चाहिये।
6. बजट अवधि एक वर्ष होना चाहिये।

परिभाषा पर 1 अंक, बिन्दु पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बजट के उद्देश्य –

1. हिसाब देयता का उद्देश्य– एक प्रजातांत्रिक देश में सरकार जनता के प्रति हिसाब देयता के लिए उत्तरदायी हो।
2. आर्थिक नियंत्रण – बजट के माध्यम से संसद सार्वजनिक कोषों की प्राप्ति व प्रयोग के संबंध में नियंत्रण रखती है।
3. राजकोषीय उपकरण – सरकार अपनी करा रोपण, व्यय व ऋणनीति के बराबर आर्थिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करती है।
4. आर्थिक स्थिरता – सरकार घाटे व आधिक्य का बजट बनाकर आर्थिक उच्चा वचनों को दूर करती है।
5. प्रशासकीय कुशलता – बजट का उद्देश्य विभिन्न अधिकारियों के क्षेत्र एवं उत्तरदायित्व को स्पष्ट करना भी है।
6. योजनाओं से संबंधित – विकास के लक्ष्य को पूर्ण करने का प्रावधान बजट में होता है।

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. डा. बाउले के शब्दों मे 'निर्देशांक की श्रेणी एक ऐसी श्रेणी है जो अपने झुकाव और उच्चा वचनों के द्वारा उस परिमाण के परिवर्तनों को प्रदर्शित करती है जिससे वह संबंधित है।'

निर्देशांकों का महत्व –

1. जीवन निर्वाह लागत सिद्धांत – निर्देशांक से जीवन निर्वाह लागतों में परिवर्तनों का पता लगता है।
2. मुद्रा के मूल्य की माप – मुद्रा के आंतरिक मूल्यों में परिवर्तनों का पता लगता है। इससे मुद्रा के मूल्यों में स्थिरता प्राप्त कर सकते है।
3. व्यापारी के लिय उपयोगिता– माल बिक्री की प्रवृत्ति की जानकारी लग जाती है।
4. उत्पादन के बारे में जानकारी – इससे उत्पादन में वृद्धि या कमी का अनुमान लगाया जा सकता है।
5. विदेशी व्यापार नीति में सहायक – विदेशी व्यापार संबंधी निर्देशांकों की सहायता से विदेशी व्यापर की सही स्थिति का पता लग जाता है। फलस्वरूप व्यापार नीतियों में परिवर्तन करके भुगतान संतुलित करने में मदद मिलती है।

परिभाषा पर 1 अंक, बिन्दु पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वस्तु	आधार वर्ष 2005		चालू वर्ष 2010		p_1q_0	p_0q_0	p_1q_1	p_0q_1
	कीमत p_0	मात्रा q_0	कीमत p_1	मात्रा q_1				
A	10	3	20	4	60	30	80	40

B	3	4	15	3	60	12	45	9
					120	42	125	49

2 अंक

फिशर का आदर्श निर्देशांक सूत्र $= \sqrt{\frac{\Sigma p_1 q_0}{\Sigma p_0 q_0} \times \frac{\Sigma p_1 q_1}{\Sigma p_0 q_1}} \times 100$ 1 अंक

$= \sqrt{\frac{120}{42} \times \frac{125}{49}} \times 10$ 1 अंक

$= \sqrt{\frac{2500}{343}} \times 100$

$= \sqrt{7.29} \times 100$

$= 2.7 \times 100$

$P_{01} = 270$ 1 अंक

उत्तर 23. मांग का नियम–

'मांग की जाने वाली मात्रा कीमत गिरने के साथ बढ़ती है और बढ़ने के साथ गिरती है।'

रेखाचित्र

चित्र से स्पष्ट है कि PQ कीमत पर वस्तु की मांग OQ हो यदि कीमत घटकर P1Q1 हो जाती है तो मांग बढ़कर OQ हो जाती है। यदि कीमत बढ़कर P2Q2 हो जाती है तो मांग घटकर OQ2 हो जाती है।

मांग के नियम की मान्यताएं –

1. उपभोक्ता की आय समान रहनी चाहिये।
2. उपभोक्ता के स्वभाव रूचि व आदत में परिवर्तन नहीं होना चाहिये।
3. स्थानापन्न वस्तु का अभाव होना चाहिये।
4. प्रतिष्ठादायक वस्तुएं नहीं होनी चाहिए।

मांग के नियम के अपवाद –

1. गिफिन का विरोधाभास
2. भविष्य में मूल्य वृद्धि की आशा
3. प्रतिष्ठासूचक वस्तुए
4. अज्ञानता के कारण

परिभाषा पर 1 अंक, चित्र व व्याख्या पर 2 अंक, मान्यताएं पर 2 अंक कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मांग की लोच को प्रभावित करने वाले तत्व –

1. वस्तु की प्रकृति – अनिवार्य वस्तुओं की मांग बेलोचदार एवं विलासिता वस्तुओं की मांग लोचदार होती है।
2. स्थानापन्न वस्तुओं की उपलब्धता – स्थानापन्न वस्तुओं की मांग लोचदार होती है।
3. वस्तु के अनेक प्रयोग– बिजली जैसे अनेक प्रयोग वाली वस्तुओं की मांग की लोच, लोचदार होती है।

4. वस्तु के प्रयोग को स्थगित करने की संभावना वाली वस्तु की मांग लोचदार होती है।
5. वस्तु पर आय का व्यय किया जाने वाला भाग यदि कम है, तो उस वस्तु की मांग, बेलोचदार होती है।
6. संयुक्त मंग– ऐसी वस्तुओं की मांग बेलोचदार होती है।

प्रत्येक बिन्दु विस्तार से लिखने पर 1 अंक कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. प्रमाप विचलन –

x	f	fx	x-13 d	d^2	fd^2
10	3	30	−3	9	27
12	10	120	−1	1	10
15	2	30	2	4	8
16	5	80	3	9	45
कुल	20	260			90

समानान्तर माध्य X $= \frac{\Sigma fx}{N} = \frac{260}{20} = 13$

प्रमाप विचलन $= \frac{\sqrt{\Sigma f d^2}}{N}$

$= \frac{\sqrt{90}}{20}$

$= \sqrt{4.5}$

$= 2.12$

अथवा

श्रेणी अंतर विधि द्वारा सह संबंध –

X	श्रेणीx	Y	श्रेणीy	D	D^2
53	8	47	1	−7	49
98	1	25	8	+7	49
95	2	32	6	+4	16
81	3	37	5	+2	4
75	4	30	7	+3	9
61	5	40	3	−2	4
59	6	39	4	−2	4
55	7	45	2	−5	25
				$\Sigma D=0$	$\Sigma D^2=160$

$$P = 1 - \frac{6\Sigma d^2}{N(N^2-1)}$$

$$- \quad 1 - \frac{6 \times 160}{8(8^2-1)}$$

$$- \quad 1 - \frac{960}{504}$$

$$= \quad 1 \quad \frac{504-960}{504}$$

$= \quad -0.90$

– – – – –